safbin
For Small Farmers Future

वर्षा आधारित क्षेत्र में अनुकूलित खेती पर प्रयोग

एन. पी. के. घोल

अलसी की खली
(1 कि. ग्रा.)

सरसों की खली
(1 कि. ग्रा.)

तिल की खली
(1 कि. ग्रा.)

राख
(250 ग्रा.)

अण्डे के छिलके
(250 ग्रा.)

पानी
(25 ली.)

गाय का गोबर
(2 कि. ग्रा.)

बनाने की विधी

सभी सामग्री को एक मटके में लेकर अच्छी तरह मिला लें, मिलाते समय सीधे चाल से मिलाना चाहिए। इस घोल को 4 दिन तक छांव मे रखकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपयोग

यह अत्याधिक तेज होने के कारण 750 मि. ली. घोल को 15 ली. पानी अथवा 5 ली. घोल को 125 ली. पानी प्रति एकड़ की दर से फसल पर छिड़कें।

मिट्टी की उर्वरक शक्ति को बनाये रखता है और पौधे को मजबूती देता है तथा कीट,रोग से बचाव का भी कार्य करता हैं। फसल को अधिक पैदावार तथा अनाज को चमकीला भी बनाता हैं।

Co-Financed by

European Union

Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by

Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners

AFPRO
Action For Food Production

CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org

© Caritas India@2015